



# प्रश्न बैंक

2021–22

विषय: संस्कृत

कक्षा : 10वीं

समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्डरी एजुकेशन) लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र.

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल

## आमुख

प्रदेश में संचालित शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों में छात्र/छात्राओं का परीक्षा परिणाम संस्कृत विषय में सामान्य रहता है। शालाओं के समय-समय पर विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान यह देखा गया है कि छात्र-छात्राओं का संस्कृत विषय में ज्ञान का स्तर सामान्य है।

आगामी परीक्षा की तैयारी एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम हेतु यह **रेमेडियल टीचिंग हेतु मटेरियल** तैयार किया गया है। जिसके उपयोग से शिक्षक अपने समस्त छात्रों को बेहतर अंक प्राप्त करने एवं अगली कक्षा में जाने हेतु समर्थ बना सकेंगे।

इस मटेरियल को ब्लूप्रिन्ट के अनुसार उन महत्वपूर्ण पाठ्य वस्तुओं का समावेश कर तैयार किया गया है जो कि प्रभावी शिक्षण एवं छात्र-छात्राओं के संस्कृत विषय में औसत दक्षता विकसित करने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु लाभकारी सिद्ध होगा।

त्रैमासिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों का चिन्हांकन आपके द्वारा कर लिया गया होगा। यदि आपके स्कूल में एक से अधिक सेक्शन है तो विद्यार्थियों के ग्रेड के आधार पर सेक्शन में विद्यार्थियों का पुनर्वितरण कर दें। तथा एक ग्रेड के विद्यार्थियों को एक सेक्शन में रखें ताकि उन विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुरूप पढाया जाये।

प्रदेश के समस्त हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों से अपेक्षा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि वे इस प्रश्न बैंक से शाला के छात्र-छात्राओं को सामाजिक संस्कृत विषय का नियमित निदानात्मक कक्षाओं में अभ्यास करायेंगे ताकि प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में सफल हो सके।

**शिक्षकों** से अपेक्षित कार्यवाही –डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों को आगामी 2 माह तक इस मॉड्यूल अनुसार अभ्यास कराएं। विद्यार्थियों को प्रत्येक **प्रश्न** को किस तरह लिखना है इसे समझाएं। विद्यार्थियों द्वारा की जा रही गलतियों को सुधारें।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल  
हाईस्कूल परीक्षा सत्र 2021-22  
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा- 10वीं

विषय - संस्कृत

पूर्णांक :-80

समय :-3.00 घंटे

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न अंक	अंकवार प्रश्नों की संख्या					कुल प्रश्न
				अंक	अंक	अंक	अंक	अंक	
			1	2	3	4	5		
1	प्रत्यय: +विशेषण/ विशेष्यम्	4+3	7	-	-	-	-	-	1
2	पर्याय: +विलोम:+एकपदेन प्रश्नोत्तराणि	2+2+3	7	-	-	-	-	-	1
3	शब्दरूपाणि +उपसर्गः	4+2	6	-	-	-	-	-	1
4	धातुरूपाणि +अव्ययः	4+2	6	-	-	-	-	-	1
5	सन्धि+ समासः	3+3	6	-	-	-	-	-	1
6	पाठगतप्रश्नोत्तराणि	12	-	6	-	-	-	-	6
7	वाच्यपरिवर्तनम्	2	-	1	-	-	-	-	1
8	कः कं प्रति कथयति	2	-	1	-	-	-	-	1
9	प्रश्ननिर्माणम्	2	-	1	-	-	-	-	1
10	अशुद्धकारकसंशोधनम्	2	-	1	-	-	-	-	1
11	गद्यांशम् अधिकृत्य अबोधनात्मक प्रश्नानि	3	-	-	1	-	-	-	1
12	पद्यांशम् अधिकृत्य- अबोधनात्मक प्रश्नानि	3	-	-	1	-	-	-	1
13	नाट्यांशम् अधिकृत्य अबोधनात्मकप्रश्नानि	3	-	-	1	-	-	-	1
14	पाठगतरिक्तस्थानपूर्तिः	3	-	-	1	-	-	-	1
15	श्लोककण्ठस्थीकरणम् (पाठ्यपुस्तकात् )	4	-	-	-	1	-	-	1
16	पत्रलेखनम्	4	-	-	-	1	-	-	1
17	अपठितगद्यांशम्	4	-	-	-	1	-	-	1
18	निबन्धलेखनम्	4	-	-	-	1	-	-	1
	योगः	80	32	20	12	16	-	-	23

निर्देश :- प्रश्न पत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश -

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 07 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य में उत्तर 07 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान ईकाई/उप ईकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी-  
अतिलघुउत्तरीय प्रश्न 02अंक लगभग 30 शब्द  
लघुउत्तरीय प्रश्न 03अंक लगभग 75 शब्द  
विरलेषणात्मक 04अंक लगभग 120 शब्द
2. 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40 प्रतिशत पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत विरलेषणात्मक प्रश्न होंगे।
3. सत्र 2021-22 हेतु कम किये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पत्र में प्रश्न न दिये जाये।
4. पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रायोजना कार्य हेतु 20 अंक आवंटित है।

कक्षा - 10वीं

विषय- संस्कृत

कम किए गए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

क्र.	पुस्तक/ विषय वस्तु का नाम	अध्याय	कम किये गये अध्याय/ विषय वस्तु का नाम
1	शेमुषी (भाग-2)	4	शिशुलालनम्
2		11	प्राणभ्योऽपि प्रियः सुहृद्
3		12	अन्योक्तयः

प्रत्यय , विशेषणम् / विशेषण उचितं विकल्पं चित्वा लिखत ।

1- गच्छन् इति पदे कः प्रत्ययः अस्ति ?

(i) तुमुन् (ii) शतृ (iii) शानच् (iv) क्त

2- पठनीयः इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति ।

(i) क्त्वा (ii) क्त (iii) शतृ (iv) अनीयर्

3- विहाय इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति

(i) वि + हा + क्त्वा (ii) वि + हा + क्त (iii) वि + हा + ल्यप् (iv) वि + हा + शतृ

4- हन् धातोः क्तः प्रत्यय सम्योक्त्य कपं अस्ति

(i) हन्तः (ii) हतः (iii) हंतः (iv) हन्तः

5- क्री + तुमुन् सम्योक्त्य कपं अस्ति

(i) क्रेतुम् (ii) कर्तुम् (iii) क्रीतुम् (iv) क्रतुम्

6- गन्तुम् इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति

(i) अनीयर् (ii) क्तवत् (iii) शानच् (iv) तुमुन्

7- सेव् धातोः शानच् प्रत्यय सम्योक्त्य कपं अस्ति

(i) सेवायमान् (ii) सेवा (iii) सेवायमानः (iv) सेवमानः

8- भ्रूः धातोः क्तः प्रत्यय सम्योक्त्य कपं भवति

(i) भ्रूत्वा (ii) भ्रूतः (iii) भ्रूयः (iv) भ्रूती

9- कर्तव्यम् इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति

(i) शानच् (ii) शतृ (iii) तव्यत् (iv) मतुप

10- ज्ञेयः इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति ।

(i) ज्ञेयत् (ii) क्यप् (iii) यत् (iv) क्त

(ii) कश्चित् कृषकः क्षेत्रकषिणीं कुर्वन्नासीत् अस्मिन् वाक्ये विशेषण पदं किम् ?

(i) कश्चित् (ii) कृषकः (iii) आसीत् (iv) क्षेत्रकषिणीं

11- कृषकः तं तुर्बिम् वृषभं तीदनेन नद्यमानः अवर्तत् अस्मिन् वाक्ये विशेषण पदं किम् ?

(i) कृषकः (ii) तुर्बिम् (iii) वृषभं (iv) तीदनेन

12- कृष्णः धेनूः दुग्धं न ददाति अस्मिन् वाक्ये विशेषण पदं किम् ?

(i) धेनूः (ii) ददाति (iii) दुग्धं (iv) कृष्णः

13- भार्या बुद्धिमती आसीत् अस्मिन् वाक्ये विशेषण पदम् किम् ?

(i) बुद्धिमती (ii) भार्या (iii) आसीत् (iv) वसति

14- व्यायामेन शरीरं पुष्टं भवति अस्मिन् वाक्ये विशेषण पदं किम् ?

(i) शरीरं (ii) पुष्टं (iii) क्लृप्तं (iv) कोऽपि न

15- हरिश्चन्द्रः राज्ञः सत्यवादी आसीत् इत्यस्मिन् वाक्ये विशेषण पदं किम् ?

(i) राज्ञः (ii) हरिश्चन्द्रः (iii) सत्यवादी (iv) आसीत्

- 17- सन्यासी गृहत्यागी भवति इत्यास्मिन् वाक्ये विशोष्य पदं किम् ?  
 (i) गृहत्यागी (ii) भवति (iii) सन्यासी (iv) कोऽपि न
- 18- राष्ट्रसिंहः पार्श्वे बुद्धिमान् मंत्री आसीत् अस्मिन् वाक्ये विशोष्य पदं किम् ?  
 (i) राष्ट्रसिंहः (ii) मन्त्री (iii) बुद्धिमान् (iv) पार्श्वे
- 19- रामः सर्वेषु राज्ञेषु उत्तमः आसीत् इत्यास्मिन् वाक्ये विशोष्य पदं किम् ?  
 (i) सर्वेषु (ii) राज्ञेषु (iii) रामः (iv) उत्तमः
- 20- पलायमानम् श्वानम् अस्मिन् पदे विशोष्य पदं किम् ?  
 (i) श्वानम् (ii) अस्मिन् (iii) पलायमानम् (iv) कोऽपि नास्ति

### आदर्श उत्तर -

- (1) (ii) शत्रु (2) (iv) अनीयर् (3) (iii) विना हा + ल्यप् (4) (ii) हतः  
 (5) (ii) क्वमुि (6) (iv) तुमुन् (7) (iv) सेवमानः (8) (ii) भूतः  
 (9) (iii) कर्तव्यम् (10) (iii) यत् (11) (i) कश्चित् (12) (ii) दुर्वलं  
 (13) (iv) कृष्णः (14) (i) बुद्धिमती (15) (ii) पुत्रं (16) (i) राज्ञः  
 (17) (iii) सन्यासी (18) (ii) मन्त्री (19) (iii) रामः (20) (i) श्वानम्

1- रिक्तस्थानानां पूरयत -

- 1- सभिलं इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (नीरं / शरीरं)
- 2- पवनः इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (वायुः / तडागं)
- 3- भ्रायि इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (भगिनी / कान्ता)
- 4- आम्रम् इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (रसालं / फलम्)
- 5- वनम् इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (आननम् / काननम्)
- 6- अग्निः इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (नीरजः / अनलः)
- 7- सविता इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (मधुकरः / दिवाकरः)
- 8- गजः इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (घोटकः / करी)
- 9- बुधियः इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (अभिक्षाः / वैज्ञानिकाः)
- 10- कमलम् इत्यस्य पर्याय पदं - - - - - । (पंकजम् / पुष्पम्)
- 11- शुकम् शब्दस्य विलोम पदं - - - - - । (शुद्धम् / दुर्बलम्)
- 12- सान्ताः शब्दस्य विलोम पदं - - - - - । (भयान्ताः / अनन्ताः)
- 13- विमूढधी शब्दस्य विलोम पदं - - - - - । (निधिः / सुधीः)
- 14- अस्तमये शब्दस्य विलोम पदं - - - - - । (भायं / उदये)
- 15- प्रसीदति शब्दस्य विलोम पदं - - - - - । (प्रकुप्यति / निवृप्यति)
- 16- चौरः - - - - - आसीत् । (आरक्षी / विपक्षी)
- 17- कृषकायः - - - - - आसीत् । (अभियुक्तः / न्युक्तः)
- 18- पिता पुत्राय वास्ये - - - - - यच्छति । (विद्यां / आश्रुषणं)
- 19- वाचि - - - - - भवेत् । (वक्रता / अवक्रता)
- 20- - - - - प्राणिनः शूकम्पेन निहन्यन्ते । (कृषकः / विवशाः)

आदर्श उत्तर -

- (1) नीरं (2) वायुः (3) कान्ता (4) रसालं (5) काननम् (6) अनलः  
 (7) दिवाकरः (8) करी (9) अभिक्षाः (10) पंकजम् (11) दुर्बलम् (12) अनन्ताः  
 (13) सुधीः (14) उदये (15) प्रकुप्यति (16) आरक्षी (17) अभियुक्तः (18) विद्यां  
 (19) वक्रता (20) विवशाः

इकाई - 3 -  
शब्दरूपाणि / उपसर्गः पदस्य युग्मं भेद्यत -  
सप्तमी रक्त्वचनम्

- |                |                   |
|----------------|-------------------|
| 1- फलानां      | दुस               |
| 2- राज्ञी      | आइ. (आ)           |
| 3- संचरते      | चतुर्थी विभक्ति   |
| 4- दुष्कर्म    | सम                |
| 5- संस्कृतम्   | पञ्चमी            |
| 6- अधिकार      | इदम्              |
| 7- प्र + हरति  | सम                |
| 8- आषन्मः      | तृतीया रक्त्वचनम् |
| 9- गृहात्      | अधि               |
| 10- अस्मिन्    | प्रहरति           |
| 11- कारिन्धेन् | षष्ठी रक्त्वचनम्  |
| 12- धेनूनाम्   | उत्               |
| 13- दुरीय      | प्रथमा द्विवचनम्  |
| 14- बालकाय     | षष्ठी बहुवचनम्    |
| 15- उल्कष      |                   |

आदर्श उत्तर -

- |                |                   |
|----------------|-------------------|
| 1- फलानां      | षष्ठी बहुवचनम्    |
| 2- राज्ञी      | सप्तमी रक्त्वचनम् |
| 3- संचरते      | सम                |
| 4- दुष्कर्म    | दुस               |
| 5- संस्कृतम्   | सम                |
| 6- अधिकार      | अधि               |
| 7- प्र + हरति  | प्रहरति           |
| 8- आषन्मः      | आइ. (आ)           |
| 9- गृहात्      | पञ्चमी            |
| 10- अस्मिन्    | इदम्              |
| 11- कारिन्धेन् | तृतीया रक्त्वचनम् |
| 12- धेनूनाम्   | षष्ठी बहुवचनम्    |
| 13- दुरीय      | प्रथमः द्विवचनम्  |
| 14- बालकाय     | चतुर्थी           |
| 15- उल्कष      | उत्               |

इकाई - 4

धातुरूपाणि / अव्ययः स्फवाक्येन उत्तरत -

- 1- 'वद धातोः' लोट लकारस्य मह्यम पुरुष बहुवचनम् कर्पं किम् ०
- 2- 'अस् धातोः' लृट लकारस्य प्रथम पुरुष बहुवचनम् कर्पं किम् ०
- 3- 'लभ् धातोः' लट लकारस्य उत्तम पुरुष स्फवचनं कर्पं किम् ०
- 4- 'हन् धातोः' लोट लकारस्य प्रथम पुरुष स्फवचनं किम् ०
- 5- 'गच्छति' क्रियापदे कः धातु अस्ति ०
- 6- "गम् धातोः" लङ् लकारस्य प्रथम पुरुष द्विवचनं किम् अस्ति ०
- 7- "मोहनः लिप्यति" अस्मिन् वाक्ये कः धातुः ०
- 8- "अहमपि आपां गच्छामि" अस्मिन् वाक्ये अव्ययं किम् अस्ति ०
- 9- "विद्यामाता इव ब्रह्मीत" अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०
- 10- "भद्राचारः स्व परमोद्योगः" अस्मिन् वाक्ये अव्ययं किम् अस्ति ०
- 11- "अचिरं गृहं गच्छ" अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०
- 12- "अथ रामायण कथा आरभ्यते" अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०
- 13- "अहं स्वः वामं गगिष्यामि" अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०
- 14- "तत्र शिवालयः अस्ति" एत अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०
- 15- "पृथा कस्यहम् मा कुक्" अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति ०

आदर्श उत्तर - 1- वदत

2- भविष्यन्ति

3- लभे

4- हन्तु

5- गम्

6- अगच्छताम्

7- स्था

8- अपि

9- इव

10- स्व

11- अचिरं

12- अथ

13- स्वः

14- तत्र

15- पृथा, मा



## इकाई - 5 -

शुद्ध वाक्यानां समक्षे 'आम्' अथुद्ध वाक्यानां समक्षे 'न' लिखत ।

- 1- श्रद्धालये इति पदे गुण बन्धि अस्ति ।
- 2- भ्रानूदयः इत्यस्मिन् पदे दीर्घ बन्धि अस्ति ।
- 3- हितोपदेश इत्यस्मिन् पदे टाण बन्धि अस्ति ।
- 4- ममैव इत्यस्मिन् पदे वृद्धि बन्धि अस्ति ।
- 5- यदि + अपि पूर्णक पदं यद्यपि अस्ति ।
- 6- सम् + चरणम् पूर्णक पदं संवरणम् अस्ति ।
- 7- अन्य + अपि अयादि बन्धि अस्ति ।
- 8- नयनम् इत्यस्मिन् पदे व्यञ्जन बन्धि अस्ति ।
- 9- अन्य पद प्रधानः तत्पुरुषः अस्ति ।
- 10- धनक्षयाम् इति पदे कर्मधारय समास अस्ति ।
- 11- यथा शक्ति इत्यस्मिन् पदे अव्ययीभाव समास वर्तते ।
- 12- वाचि पदुः समस्त पद वाक्पदुः अस्ति ।
- 13- हरिततरुणाम् कर्मधारय समास अस्ति ।
- 14- महान् आत्मा शेषाम् महात्मा अस्ति ।
- 15- संख्याश्र्वी द्विगु समास अस्ति ।

### आदर्श उत्तर - 1- न

2- आम्

3- न

4- आम्

5- आम्

6- आम्

7- न

8- न

9- न

10- आम्

11- आम्

12- आम्

13- आम्

14- न

15- आम्

इकाई - 6 से 11  
अधोसिखितेषु प्रश्नेषु उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् लिखत ।

- 1- केषां आत्मा रमणीया ?
- 2- कविः किमर्थम् प्रकृतेः शरणम् इच्छति ?
- 3- मनुष्याणां महान् रिपुः कः ?
- 4- बुद्धिमती केन उपेता पितुर्गृहं चमिता ?
- 5- कीदृशं कर्म व्यायामसंज्ञितम् कथ्यते ?
- 6- कृषकः किं करोति रम ?
- 7- वस्तुतः चौरः कः आसीत् ?
- 8- कीदृशे प्रदेशे पदयात्रा न सुखावहा ?
- 9- निधनेः जनः कथं वित्तं उपाधितवान् ?
- 10- पिता पुत्राय वास्ये किं यच्छति ?
- 11- प्राणेश्योऽपि कः रक्षणीयः ?
- 12- कीदृशः प्राणिनः भ्रुकम्पेन निहन्यन्ते ?
- 13- अनिर्णयं महानगरमध्ये किं प्रचलति ?
- 14- बुद्धिमती कुत्र व्याघ्रं ददर्श ?
- 15- कस्य मांसं विधरीभवति ?

आदर्श उत्तर -

- 1- हरिततल्लपितलम्बानाम् ।
- 2- अत्र धरातले जीवितं दुर्वहं जातम् अतः कविः प्रकृतेः शरणम् इच्छति ।
- 3- मनुष्याणां महान् रिपुः आसस्यम् ।
- 4- बुद्धिमती पुत्रद्वयोपेता पितुर्गृहं प्रति चमिता ।
- 5- शरीरायासजननं कर्म व्यायामसंज्ञितम् कथ्यते ।
- 6- कृषकः वस्तीवदशियां क्षेत्रकर्षणं करोति रम ।
- 7- वस्तुतः चौरः आरक्षी आसीत् ।
- 8- विजने प्रदेशे पदयात्रा न सुखावहा ।
- 9- निधनेः जनः धूरि परिश्रम्य वित्तम् उपाधितवान् ।
- 10- पिता पुत्राय वास्ये विद्याधनं यच्छति ।
- 11- प्राणेश्योऽपि सदान्वितः रक्षणीयः ।
- 12- विवशाः प्राणिनाः भ्रुकम्पेन निहन्यन्ते ।
- 13- अनिर्णयं महानगरमध्ये कालायसचक्रम् प्रचलति ।
- 14- बुद्धिमती गहनकान्ठे व्याघ्रं ददर्श ।
- 15- व्यायामभिरतस्य मांसं विधरीभवति ।

- इकाई - ३ - १२

अधोमिरिवतेषु वाच्य परिवर्तन कुर्वत ।

- १- गृणी गृणं जानाति ( बहुवचने )
- २- पशुः उदीरितम् अर्थं गृह्णाति ( कर्मवाच्ये )
- ३- मृगाः मृगैः सह अनुप्रपन्ति ( एकवचने )
- ४- कः द्वायां निवारयति ( कर्मवाच्ये )
- ५- तेन स्व वक्षिणा शरीरं दह्यते ( कर्तृवाच्ये )
- ६- तेन फलानि खाद्यन्ते ( कर्तृवाच्ये )
- ७- चौराः ग्रामे नियुक्ताः राजपुरुषाः आसन् ( एकवचने )
- ८- आत्महितेषिभिः व्यायामं क्रियते ( कर्तृवाच्यम् )
- ९- मोहनः पाठं पठति ( कर्मवाच्ये )
- १०- भतथा गीतं गीयते ( कर्तृवाच्ये )

आदर्श उत्तर-

- १- गृणिनः गृणं जानन्ति ।
- २- पशूना उदीरितः अर्थः गृह्यते ।
- ३- मृगः मृगैः सह अनुप्रपति ।
- ४- केन द्वाया निवार्यते ।
- ५- सः स्व वक्षिः शरीरं दहते ।
- ६- सः फलम् खादति ।
- ७- चौराः ग्रामे नियुक्तः राजपुरुषः आसीत् ।
- ८- आत्महितेषिणः व्यायामं कुर्वन्ति ।
- ९- मोहनेन पाठः पठ्यते ।
- १०- भतथा गीतम् गायति ।

- इकाई - 13 -

अद्योत्पिस्वितेषु संवादेशु कः कं प्रति कथयति -  
कः कथयति कं प्रति कथ-

- 1- वस्तुतः वनराजः भवितुं तु अहमेव योग्यः।
- 2- अहम् वनराजः किं भयं न जायते।
- 3- राजा तु रक्षकः भवति परं भवान् तु भक्षकः।
- 4- तूष्णीं भव। कथं त्वं योग्यः वनराजपदाय च।
- 5- वस्तुतः सर्वे वन्यजीविनः अन्योन्याभिराः।
- 6- तस्य मृतशरीरं राजभार्गं निकषा वर्तते।
- 7- निजकृत्यस्य फलं भुङ्क्ष्व।
- 8- अरे। अरे। किं जल्पसि यदि अहं कृष्णवर्णः तर्हि त्वं किं गौराङ्गः।
- 9- अरे। अरे। माम् विहाय कथमन्या राजा भवितुमर्हति।
- 10- भम् नृत्यं तु प्रकृतेः आराधना।

आदर्श उत्तर -

कः कथयति कम् प्रति

- |     |             |              |
|-----|-------------|--------------|
| 1-  | काकः        | वानरः        |
| 2-  | सिंहः       | वानरः        |
| 3-  | वानरः       | सिंहः        |
| 4-  | भयूरः       | वानरः        |
| 5-  | प्रकृतिमाता | सर्वप्राणिनः |
| 6-  | कर्मचारी    | न्यायाधीशः   |
| 7-  | आरक्षी      | अभियुक्तः    |
| 8-  | काकः        | पिकः         |
| 9-  | वकः         | वानरः        |
| 10- | भयूरः       | काकः         |

- इकाई - 14 -

सद्युपदान्याधिकृत्य प्रश्ननिर्माणां कुर्वत ।

- 1- प्रकृत्याः सन्निधौ वास्तविकं सुखं विद्यते ।
- 2- महानगरेषु वाहनानाम् अनन्ताः पङ्क्तयः धावन्ति ।
- 3- त्वं मानुषात् विभ्रोषि ।
- 4- बुद्धिमती चपेटया पुत्रो प्रहृतवती ।
- 5- व्यायामं कुर्वतः विकृष्टं भोजनम् अपि परिपच्यते ।
- 6- अरयः व्यायामिनं न अर्दयन्ति ।
- 7- धेनूनाम् माता स्मि स्मुरमिः आसीत् ।
- 8- सः कृद्द्रोणं श्रावम् उद्वहति ।
- 9- मयूरक्य सृत्यं प्रकृतेः आराधना ।
- 10- भवे प्रकृतिमातरं प्रणमन्ति ।
- 11- पुत्रं वपदुं सः प्रसिधतः ।
- 12- न्यायाधीशः वंकिमचन्द्रः आसीत् ।
- 13- स्तादृशी भयावह घटना गहवाम क्षेत्रे घटिता ।
- 14- विवशाः प्राणिनः आकाशे पिपीमिकाः इव निहन्यन्ते ।
- 15- तत्त्वधिस्य निणयिः विवेकेन कर्तुं शक्यः ।

आदर्श उत्तर - 1- कस्याः

2- केषु

3- कस्मात्

4- कया

5- कीदृशीं

6- कः

7- केषाम्

8- केन

9- कस्याः

10- कां

11- कं

12- कः

13- कीदृशी

14- कुत्र

15- कस्य

## इकाई - 15

अशुद्धकारक संसोधनम् कुरुत ।

- 1- रामः पुस्तकं पठसि ।
- 2- गणेशं नमः ।
- 3- त्वम् मानुषात् बिभेमि ।
- 4- बालकाः विद्यालयं आगच्छति ।
- 5- मोहनः कर्मस्य लिखति ।
- 6- भता गीतानि गीयते ।
- 7- भौतिकः अश्वेन पतति ।
- 8- स्वगाः पृथ्वाय निवससि ।
- 9- गङ्गा हिमालयं प्रवहति ।
- 10- मयूरः वने नृत्यन्ति ।

आदर्श उत्तर - 1- रामः पुस्तकं पठति ।

- 2- गणेशाय नमः ।
- 3- त्वम् मानुषात् बिभेमि ।
- 4- बालकाः विद्यालयात् आगच्छन्ति ।
- 5- मोहनः कर्मणेन लिखति ।
- 6- भता गीतं गायति ।
- 7- भौतिकः अश्वात् पतति ।
- 8- स्वगाः पृथ्वेः निवसन्ति ।
- 9- गङ्गा हिमालयात् प्रवहति ।
- 10- मयूराः वने नृत्यन्ति ।

## इकाई - 16

अधोलिखितेषु गद्यांशस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषायाम् लिखत ।

1- अस्मिन् देउमारव्यो ग्रामः। तत्र राजसिंहः नाम राजपुत्रः वसति स्म।  
स्मदा केनापि आवश्यककार्येण तस्य भार्या बुद्धिमती पुत्रद्वयोपेता  
पितुर्गृहं प्रति चलिता। भार्या गहनकान्ठे सा स्वं व्याघ्रं ददर्श।  
सा व्याघ्रभागच्छन्तं दृष्ट्वा घातयति पुत्रौ चपेत्या प्रकृत्य जगद्-  
"कथमेकैकशी व्याघ्रभक्षणाय कलहं कुकथः? अयमेकस्तावद्विभज्या  
भुज्यताम्। पश्चाद् अन्योः द्वितीयः कश्चिदस्मद्व्यते।

प्रश्नाः -

- (i) देउमारव्यो ग्रामः को वसति स्म ?
- (ii) तस्य भार्या का आसीत् ?
- (iii) सा कं ददर्श ?

आदर्श उत्तर - (i) राजसिंहः नाम राजपुत्रः वसति स्म ।

(ii) तस्य भार्या बुद्धिमती आसीत् ।

(iii) सा स्वं व्याघ्रं ददर्श ।

३- कश्चित् कृषकः बलीवर्दीभ्यां क्षेत्रकर्षणं कुर्वन्नासीत् । तयोः बलीवर्दीयोः रक्तः शरीरेण दुर्बलः ज्वेन गन्तुमशक्तश्चासीत् । अतः कृषकः तं दुर्बलं वृषभं तोदनेन नुद्यमानः अवतीत । सः अत्र वृषभः हसन्मुखा गन्तुमशक्तः क्षेत्रे पपात । क्रुद्धः कृषीवलयः तमुत्थापयितुं बहुवारम् यत्नमकरोत् । तथापि एषः नोत्थितः । श्रमो पतिते क्वपुत्रं हुवद्वा श्वेदीधोमनां मातुः सुरभेः नेत्राभ्यामाश्रुणि आविरासन् ।

प्र०-क- कृषकः काभ्यां क्षेत्रकर्षणं कुर्वन्नासीत् ।

प्र०-ख- तयोः बलीवर्दीयोः रक्तः कीदृशः आसीत् ।

प्र०-ग- मातुः सुरभेः नेत्राभ्याम् कानि आविरासन् ।

आदर्श उत्तर - (क) बलीवर्दीभ्याम् क्षेत्रकर्षणं कुर्वन्नासीत् ।

(ख) तयोः बलीवर्दीयोः रक्तः शरीरेण दुर्बलः आसीत् । (ग) मातुः सुरभेः नेत्राभ्याम् अश्रुणि आविरासन् ।

४- वनस्य दृश्यं समीपे स्वर्के नदी वहति । रक्तः सिंहः सुरवेन विश्राभ्यते । तदैव रक्तः वानरः आगत्य तस्य पुच्छं धुनाति । क्रुद्धः सिंहः तं प्रहृषि-  
-मिच्छति परं वानरस्तु कूदित्वा वृक्षाभाकटः । तदैव अन्यस्माद् वृक्षात् अपरः वानरः सिंहस्य कण्ठमाकृत्य पुनः वृक्षोपरि आरोहति । स्वमेव वानराः वारं-वारं सिंहं तुदन्ति । क्रुद्धः सिंहः स्तस्ततः धावति गर्जति परं किमपि कर्तुममर्थः स्व लिपटति ।

प्र०-क- कः सुरवेन विश्राभ्यते ।

प्र०-ख- कः आगत्य सिंहस्य पुच्छं धुनाति ।

प्र०-ग- क्रुद्धः सिंहः किं करोति ।

आदर्श उत्तर - (क) सिंहः सुरवेन विश्राभ्यते । (ख) वानरः आगत्य सिंहस्य पुच्छं धुनाति ।

(ग) क्रुद्धः सिंहः स्तस्ततः धावति गर्जति च ।

५- विचित्रा दैवगतिः तस्यामेव रात्रौ तस्मिन् गृहे कश्चन चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः । तत्र निहितामेकां मञ्जुषाम् आदाय पलायितः । चौरस्य पाद-  
-श्वनिना प्रबुद्धोऽतिथिः चौरशङ्कया तमन्वधावत् अगृहणाच्च परम् विचिभघटत । चौरः स्व उर्ध्वेः फोषितुमारभत "चौरोऽयं चौरोऽयम्" इति ।

प्र०-क- विचित्रा कः ।

प्र०-ख- तस्मिन् गृहे कः प्रविष्टः ।

प्र०-ग- चौरः काम् आदाय पलायितः ।

आदर्श उत्तर -

(क) विचित्रा दैवगतिः

(ख) तस्मिन् गृहे कश्चन चौरः प्रविष्टः ।

(ग) चौरः तत्र निहितामेकां मञ्जुषाम् आदाय पलायितः ।



5- कश्चन निधनी ज्ञानं भूरि परिश्रम्य किञ्चिद् वित्तमुपाहितवान् ।  
 तेन विद्वेन स्वपुत्रम् स्कन्धिन् महाविद्यालये प्रवेशं दापयितुं  
 सफलो जातः । तन्नयः तदैव हात्रावासे निवसन् अहयये संभ्रमः  
 अभभूत् । स्कन्धा स पिता तनुजस्य रुग्णतामाकर्ण्य व्याकुलो  
 जातः पुत्रं तु वृषदुं च प्रस्थितः । परमधीकाशयेन पीडितः स तस्मान्  
 विहाय पदातिरेव प्राचलत् ।

प्र०-क- कः भूरि परिश्रम्य किञ्चिद् वित्तमुपाहितवान् ।

प्र०-ख- तेन कथं कुत्र च स्वपुत्रं प्रवेशं दापयितुं सफलो जातः ।

प्र०-ग- स्कन्धा स पिता कथं व्याकुलो जातः ।

आदर्श उत्तर- (क) निधनी ज्ञानं भूरि परिश्रम्ये किञ्चिद् वित्तमुपाहितवान् ।

(ख) तेन स्वपुत्रं महाविद्यालये प्रवेशं दापयितुं सफलो जातः ।

(ग) स्वतनुजस्य रुग्णतामाकर्ण्य व्याकुलो जातः ।

इकाई - 17

1- अधोलिखितेषु पद्यांशस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषायां लिखत ।

1- व्यायामो हि सदा पथ्यो बलिनां विनगद्यभोषिनाम् ।

स च शीतं वसन्ते च तेषां पथ्यत्वमः स्मृतः ॥

प्र०-क- कः सदा पथ्यः ।

प्र०-ख- व्यायामो हि सदा कथं बलिनाम् ।

प्र०-ग- विनगद्यभोषिनां कः सदा पथ्यः ।

आदर्श उत्तर- (क) व्यायामो हि सदा पथ्यः । (ख) व्यायामो हि सदा पथ्यो बलिनाम् ।  
 (ग) विनगद्यभोषिनां व्यायामो हि सदा पथ्यः ।

2- विचित्रे खलु संसारे नास्ति किञ्चिन्निरर्थकम् ।  
 अश्वत्थचेद् धावने वीरः भावक्य वह्ने करः ॥

प्र०-क- कुत्र किञ्चिन्निरर्थकं नास्ति ।

प्र०-ख- विचित्रे खलु संसारे किं नास्ति ।

प्र०-ग- कः धावने वीरः अस्ति ।

आदर्श उत्तर- (क) विचित्रे खलु संसारे किञ्चिद् निरर्थकं नास्ति ।  
 (ख) विचित्रे खलु संसारे किञ्चिद् निरर्थकं नास्ति ।  
 (ग) अश्वः धावने वीरः अस्ति ।

3- गुणी गुणं वेत्ति न वेत्ति निगुणो,  
बली बलं वेत्ति न वेत्ति निर्बलीः ।

पिकी वसन्तस्य गुणं न वायसः,  
करी च सिंहस्य बलं न मूषकः ॥

प्र०-क - कः गुणं वेत्ति ०

प्र०-ख - बलं कः न वेत्ति ०

प्र०-ग - कः वसन्तस्य गुणं वेत्ति कः न वेत्ति ०

आदर्श उत्तर - (क) गुणी गुणं वेत्ति । (ख) बलं निर्बलं न वेत्ति ।

(ग) पिकः वसन्तस्य गुणं वेत्ति वायसः न वेत्ति ।

प - आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् विदुषां वचः ।

तस्माद् रक्षेत सदाचारं प्राणेश्योऽपि विशेषतः ॥

प्र०-क - कः प्रथमो धर्मः ०

प्र०-ख - आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् केषां वचः ०

प्र०-ग - तस्माद् कं रक्षेत ०

आदर्श उत्तर - (क) आचारः प्रथमो धर्मः । (ख) आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् विदुषां वचः ।

(ग) तस्माद् सदाचारं रक्षेत ।

४ - आत्मस्य हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।

नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ॥

प्र०-क - आत्मस्य हि केषां शरीरस्थो महान् रिपुः ०

प्र०-ख - कस्य समो बन्धुः नास्ति ०

प्र०-ग - किं मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ०

आदर्श उत्तर - (क) आत्मस्य हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।

(ख) उद्यमसमो बन्धुः नास्ति । (ग) आत्मस्य हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।

इकाई - 18

1- अद्यो लिखितेषु नाट्यांशस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखत ।

1- पिकः - अलम् अलम् अतिविकृत्यनेन किं विस्मयते -

काकः कृष्णः पिकः कृष्णः की ओदः पिककाकयोः ।

वसन्तसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः ।

प्र०-क - काकः कीदृशः पिकः कीदृशः ०

प्र०-ख - कदा काकः काकः पिकः पिकः ०

प्र०-ग - 'श्रुवन' इत्यस्य शब्दस्य प्रकृति प्रत्यय पृथक् कृत्वा

आदर्श उत्तर - (क) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः । (ख) वसन्तसमये ।

(ग) 'श्रु' धातुः शतृ प्रत्ययः ।

2- प्रकृतिमाता - अहं प्रकृतिः युवमाकं सर्वेषां जननी । यूयं सर्वे स्व मे प्रियाः । सर्वेषामेव महत्कृते महत्त्वं विद्यते यथाभमयत् न तावत् कलहेन भमयं हृथा यापयन्तु अपितु मिलित्वा स्व मोदह्वं जीवनं च रसमयं कुलहवम् । तद्यथा कथितम् - प्रजा सुखे सुखं राज्ञः, प्रजानां तु प्रियं स्वम् ।

प्र०-क - अहं प्रकृतिः केषां जननी ।

प्र०-ख - राज्ञः सुखं कस्मिन् ।

प्र०-ग - 'युवमाकम्' इत्यस्य पदस्य सूत्रशब्दं विभक्तिं वचनञ्च लिखत ।

आदर्श उत्तर - (क) युवमाकं सर्वेषां जननी । (ख) राज्ञः सुखम् प्रजा सुखे ।

(ग) युवमद् शब्द, षष्ठी विभक्ति बहुवचनम् ।

3- काकः - सर्वथा अयुक्तमेतत् यन्मयूर - हंस - कीकिल - चक्रवाक - शुक्र - भास्वादिषु पक्षिप्रधानेषु विद्यमानेषु दिवान्धस्यास्य करालवक्त्रस्य - अभिषेकार्थं सर्वे सज्जाः । पूर्णं दिनं यावत् निव्रायमाणः स्वः कथमस्मान् रक्षितयति । वस्तुतस्तु -

क्वाभावरौद्रमत्युशं क्रूरमप्रियवादिनम् ।

उभूकं नृपतिं कृत्वा का नु सिद्धिभविष्यति ।।

प्रकृतिमाता - भोः भोः प्राणिनः । यूयम् सर्वे स्व मे सन्ततिः । कथं मिथः कलहं कुर्वन्ति । वस्तुतः सर्वे वन्य जीवनः अन्योन्याश्रितः ।

प्र०-क - पूर्णं दिनं यावत् निव्रायमाणः कः कथमस्मान् रक्षितयति ?

प्र०-ख - उभूकं नृपतिं कृत्वा का नु का भविष्यति ।

प्र०-ग - के सर्वे स्व मे सन्ततिः ?

आदर्श उत्तर - (क) उभूकः रक्षितयति ।

(ख) उभूकं नृपतिं कृत्वा का नु सिद्धिः भविष्यति ।

(ग) यूयम् सर्वे स्व मे सन्ततिः ।

- इकाई -19-

रिक्तस्थानानि पूर्ती कुरुत ।

(भृशम्, यत्र, तत्र, अत्र, अपि, स्व, सदा, वहिः, बलस्यार्ध, विद्या, अहिभुक्)

- 1- इदानीं वायुमण्डलं प्रदूषितमस्ति ।
- 2- जीवनं दुर्वहम् अस्ति ।
- 3- प्राकृतिक वातावरणो क्षणं भ्रंशराम् लाभदायकं भवति ।
- 4- पयविरणस्य संरक्षणं प्रकृतेः आराधना ।
- 5- समयस्य सदुपयोगः करणीयाः ।
- 6- भ्रुकम्पितसमये गमनमेव उचितम् भवति ।
- 7- हरितीमा शुचि पयविरणम् ।
- 8- व्यायामः कर्तव्यः ।
- 9- विना जीवनं नास्ति ।
- 10- मयूरः इति नाम्नाऽपि ज्ञायते ।

आदर्श उत्तर - 1- भृशम्

2- अत्र

3- अपि

4- स्व

5- सदा

6- वहिः

7- यत्र-तत्र

8- बलस्यार्ध

9- विद्या

10- अहिभुक्

- इकाई -20-

स्वपाठ्यपुस्तकस्य सुभाषितानि पाठान् सुभाषितं शुद्धं श्लोक द्वयस्य लेखनम् करणीयाः ।

- इकाई -21-

कोपि संपन्नलेखनम् कुरुत ।

- 1- अवकाशार्थं प्रार्थनापत्रम्
- 2- मित्राय स्वाह्वयनस्य पत्रम्
- 3- पितरौ प्रति परीक्षायाः परिणामसूचकं पत्रम्
- 4- पुस्तकानि प्रेषयितुं प्रकाशकं प्रति पत्रम्

- इकाई - 22 -

अधोमिरिवतम् अपठित गद्यांश सम्यक् पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत

1- उत्साहः, उदासीनता, निराशा - चेति त्रिस्रः अवस्थाः। शिशवः सदा उत्साह-  
-शीलाः इति विदितमेव। युवानां अपि प्रायेण उत्साहशीलाः अनेके ष्ट्वा  
अपि तथैव। वयसः उत्साहस्य च नास्ति सम्बन्धाः। उत्साहाः मानवस्य  
सहस्र स्वभावः सः मनसः शरीरस्य च विकासाय भवति। शिशु उत्साहेन  
सर्वं गृहीतुम् सर्वे सह स्वादितुम् सर्वे सह स्वेदितुम् च प्रवर्तते।

प्रश्नाः - (1) शिशु उपहासे कृते किं करोति ?  
(2) मनसः कति अवस्थाः सन्ति ?  
(3) के - के उत्साहशीलाः भवन्ति ?  
(4) युवानां पदे कः विभक्तिः अस्ति ?

आदर्श उत्तर -

(1) शिशु उत्साहेन सर्वं गृहीतुम्, स्वादितुम्, स्वेदितुम् च प्रवर्तते।  
(2) मनसः त्रिस्रः अवस्थाः सन्ति।  
(3) बालकः, युवानाः, ष्ट्वाः उत्साहशीलाः भवन्ति।  
(4) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन।

2- कश्मिश्चित् प्रदेशे काचित् नदी प्रवहति। नदीतीरे कश्चन सन्यासी  
स्वशिष्यैः सह आश्रमं निर्माय वसति स्म। एकदा सन्यासी शिष्यैः  
सह नद्यः अपरं तीरम् गन्तुम् स्मत् नौकां आरूढवान्। वेगेन  
प्रवहन्त्याम् नद्याम् अकस्मात् स्या अपरा नौका शिष्याया धट्टनेन  
निमग्नाः अभवत्। सन्यासी अकथयत् तस्यां नौकायां स्थितेषु  
कश्चिद् दुपट्टः आसीत् इति मन्ये।

प्रश्नाः -

(1) सन्यासी कुत्र वसति स्म ?  
(2) अपरः नौका कस्याः धट्टनेन नद्याम् निमग्नः अभवत् ?  
(3) सन्यासी नौका दुर्घटनायाः किम् कारणम् कथितवान् ?  
(4) नदी कुत्र प्रवहति ?

आदर्श उत्तर - (1) सन्यासी नदीतीरे वसति स्म।  
(2) अपरः नौका शिष्यायाः धट्टनेन निमग्नः अभवत्।  
(3) सन्यासी दुर्घटनायाः कारणम् कथितवान् कश्चिद् दुपट्टः  
आसीत् इति मन्ये।  
(4) कश्मिश्चित् प्रदेशे नदी प्रवहति।

3- जननी जन्मभूमि स्वर्गादपि गरीयसी । जन्मभूमि स्वर्गात् उत्कृष्टतरः  
 अस्ति । वैदिक ऋषिः कथयति - माता भूमिः पुत्रोऽयं पृथिव्या । अतः  
 अस्माभिः स्वार्थम् परित्यज्य देशस्य देशवासिना च सेवा सततं करणीया  
 यथा राष्ट्रभावां , राष्ट्रीयचरित्रं , त्यागभावानाम् , विना राष्ट्रस्य संरक्षणम्  
 कर्तुं न पारयामः ।

- प्रश्नाः - (1) जन्मभूमिः कस्मात् गरीयसी च  
 (2) माता भूमिः इति कः कथयति च  
 (3) अस्माभिः पदेः का विभक्तिः अस्ति च  
 (4) भूमिः इति शब्दस्य एकं पृथक् पदं लिखत च

- आदर्श उत्तर (1) जन्मभूमिः स्वर्गादपि गरीयसी ।  
 (2) माता भूमिः वैदिक ऋषिः कथयति ।  
 (3) अस्मद् शब्द , तृतीया विभक्ति , बहुवचनम् ।  
 (4) भूमिः शब्दस्य पृथक् पदं वस्तुन्धरा अस्ति ।

4- सतां सज्जनानाम् , सङ्गति संपर्कः संसर्गो वासङ्गतिः इति कथयति । वस्तुतः  
 सत्सङ्गात् एव मानवः समुन्नतो भवति । सज्जनानाम् संसर्गेण जनः  
 सज्जनः भवति । दुर्जनानां संसर्गेण दुर्जनः भवति । अतः सौसमुन्नति  
 इच्छिता जनेन सर्वदा सतामेव संगतिविद्येयः ।

- प्रश्नाः (1) अस्य गद्यांशस्य शीर्षकं लिखत ।  
 (2) केन जनाः सज्जनः भवति ।  
 (3) दुर्जनः शब्दस्य विशेष शब्दः लिखत ।  
 (4) मानवः कस्मात् समुन्नतो अस्ति च

- आदर्श उत्तरम् (1) सत्सङ्गति  
 (2) संसर्गेण जनाः सज्जनः भवति ।  
 (3) सज्जनः  
 (4) मानवः सत्सङ्गात् समुन्नतो भवति ।

- इकाई - 28 -

अद्योत्तरित एकं विषयं आधारीकृत्य निबन्ध लेखनं कुरुत ।

- (1) महाकवि काबिदासः  
 (2) संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्  
 (3) अस्माकं देशः  
 (4) अनुशासनम्  
 (5) पयविरणम्